# Guru Ashtakam

# गुर्वष्टकम्

## Document Information

Text title : Guru Ashtakam

File name : gurvaShTakam3.itx

Category : deities_misc, aShTaka

Location : doc_deities_misc

Author : gAyatrisvarUpa brahmachari

Proofread by : Vani V

Description/comments : Author/publisher comment mentions the cost of the book as bhagavadbhakti

Latest update : January 7, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 17, 2022

*sanskritdocuments.org*

# गुर्वष्टकम्

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

अज्ञाननाशकं वन्द्यं पूज्यपाद सरोरुहम् ।
मोक्षदं ज्ञानदातारं प्रणमामि गुरुं परम् ॥ १॥

संसारसागरात् शीघ्रमुद्धर्तुमागतं प्रभुम् ।
शिष्याय ज्ञानदं पूज्यं प्रणमामि गुरुं परम् ॥ २॥

कैवल्यज्ञानमूर्तिश्च तत्त्वमस्यादि वाक्यदम् ।
मोक्षार्थपरमाधारं प्रणमामि गुरुं परम् ॥ ३॥

आज्ञाचक्रे स्थितं नित्यं द्विदलं रक्तवर्णकम् ।
द्व्यक्षरं हंसरूपाख्यं प्रणमामि गुरुं परम् ॥ ४॥

ब्रह्मा विष्णुश्च रुद्रश्च गुरुरेव न संशयः ।
सच्चिदानन्दरूपं त्वां प्रणमामि गुरुं परम् ॥ ५॥

असाररूपसंसारादुद्धृत्य परमं पदम् ।
तत्त्वदं ब्रह्मरूपं त्वां प्रणमामि गुरुं परम् ॥ ६॥

कुलालचक्रवन्नित्यं भ्रमन्ति च सदा जनाः ।
नौरिव तारकं तेषां प्रणमामि गुरुं परम् ॥ ७॥

हे गुरो परमानन्द परमं पददर्शनम् ।
कर्तुमिच्छामि तत्त्वज्ञ प्रणमामि गुरुं परम् ॥ ८॥

गुर्वष्टकमिदं स्तोत्रं ये पठन्ति नराः सदा ।
ते नराः गुरु शिक्षातः गच्छन्ति परमं पदम् ॥ ९॥

इति गायत्रीस्वरूप ब्रह्मचारीविरचितं श्रीगुर्वष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Vani V

*Guru Ashtakam*

pdf was typeset on December 17, 2022

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*